ज्ञान शांति मैत्री

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

**नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त**

# दूर शिक्षा निदेशालय

## विद्यार्थी मार्गदर्शिका

जनवरी, 2021

**MBA**
**MSW**
**MJ**
**MAHD**
**BA**
**BEd**
**BJ**
**PGDEM&FP**
**PGDJMC**
**PGDCA**
**PGDCWH**
**PGDT**
**PGDD&T**
**PGDMW**
**DCA**
**CL&A**
**CCL**
**CFL**
**CGL**
**CJL**
**CSL**
**CD&MNGO**

श्री राम नाथ कोविंद
मा. कुलाध्यक्ष एवं भारत के राष्ट्रपति

प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी
मा. कुलाधिपति

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
कुलपति

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
प्रतिकुलपति

प्रो. चंद्रकांत एस. रागीट
प्रतिकुलपति

## अकादमिक सदस्य, दूर शिक्षा निदेशालय

| क्र.सं. | नाम | पदनाम |
|---|---|---|
| 1 | प्रो. हरीश अरोड़ा | प्रोफेसर एवं निदेशक |
| 2 | डॉ. शंभू जोशी | एसोसिएट प्रोफेसर |
| 3 | डॉ. अमित राय | एसोसिएट प्रोफेसर |
| 4 | डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा | एसोसिएट प्रोफेसर |
| 5 | डॉ. प्रियंका मिश्र | एसोसिएट प्रोफेसर |
| 6 | डॉ. रामप्रकाश यादव | सहायक प्रोफेसर |
| 7 | डॉ. परिमल प्रियदर्शी | अनुसंधान अधिकारी |

## प्रशासनिक सदस्य, दूर शिक्षा निदेशालय

| क्र.सं. | नाम | पदनाम |
|---|---|---|
| 1 | डॉ. एम.एम. मंगोड़ी | क्षेत्रीय निदेशक |
| 2 | डॉ. पीयूष कुमार पतंजलि | क्षेत्रीय निदेशक |
| 3 | श्री दीपक साल्वे | एमटीएस |

# अनुक्रम


| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1 | कुलपति का संदेश | 01 |
| 2 | निदेशक का वक्तव्य | 02 |
| 3 | निदेशालय का परिचय | 03 |
| 4 | अकादमिक कैलेंडर | 04 |
| 5 | पाठ्यक्रमों का विवरण | 05 |
| 6 | व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)** | 06 |
| 7 | समाजकार्य में स्नातकोत्तर (MSW) | 08 |
| 8 | पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ) | 08 |
| 9 | एमए हिंदी (MAHD) | 09 |
| 10 | शिक्षा- स्नातक (BEd)** | 10 |
| 11 | कला में स्नातक (BA) | 11 |
| 12 | पत्रकारिता में स्नातक (BJ) | 14 |
| 13 | इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEM&FP) | 14 |
| 14 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)*** | 14 |
| 15 | कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA) | 15 |
| 16 | सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCWH)*** | -- |
| 17 | अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDT)*** | -- |
| 18 | नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDD&T)*** | -- |
| 19 | मीडिया लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMW)*** | -- |
| 20 | कंप्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा (DCA) | 16 |
| 21 | नेतृत्व एवं प्रशासन में प्रमाणपत्र (CL&A)*** | -- |
| 22 | चीनी भाषा में प्रमाणपत्र (CCL)*** | -- |
| 23 | फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (CFL)*** | -- |
| 24 | जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र (CGL)*** | -- |
| 25 | जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (CJL)*** | -- |
| 26 | स्पैनिश भाषा में प्रमाणपत्र (CSL)*** | -- |
| 27 | गैर सरकारी संस्थाओं के निर्माण एवं प्रबंधन में प्रमाणपत्र (CD&MNGO)*** | -- |
| 28 | शुल्क सारिणी | 17 |
| 29 | महत्त्वपूर्ण निर्देश | 18 |
| 30 | महत्त्वपूर्ण आवेदन पत्र* | |
| 31 | मान्यता संबंधी आदेश* | |


नोट : * हेतु www.hindivishwa.org/distance देखें।

** यूजीसी डेब (UGC - DEB) से अनुमोदन की प्रत्याशा में स्थगित हैं। अनुमोदनोपरांत सूचना अलग से केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

*** पाठ्यक्रमों का पाठ्यविवरण शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध किया जाएगा।

# कुलपति का संदेश...

**प्रिय छात्र–छात्राओं,**

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय में आपका स्वागत।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की स्थापना हिंदी को केंद्र में रखकर विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान का सृजन करने और समर्थ युवा पीढ़ी के निर्माण के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान के रूप में की गई है। विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की शिक्षा समाज के प्रत्येक वर्ग, समुदायों, वंचितों और अल्प– प्रतिनिधित्व वाले समूहों तक पहुँचाना है।

रोजगार और वैश्विक परिदृश्य में लगातार हो रहे परिवर्तनों को केंद्र में रखते हुए भारत को एक विकसित देश बनाने तथा दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने के लिए यह आवश्यक है कि समाज का प्रत्येक वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त करे। उच्चस्तरीय शिक्षा वह उचित माध्यम है, जिससे देश की समृद्ध प्रतिभा और संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्द्धन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र विश्व की भलाई के लिए किया जा सकता है और यह तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक वर्ग उच्च शिक्षा ग्रहण करे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है और तकनीक के अधिकतम उपयोग के द्वारा दूरस्थ माध्यमों से सबको शिक्षा और श्रेष्ठ शिक्षा का लक्ष्य सहजता से प्राप्त होगा यह भी प्रतिपादित है । उक्त के परिप्रेक्ष्य में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की भूमिका अत्यन्त महत्त्व की है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय उन सभी विद्यार्थियों के लिए, चाहे उनका निवास स्थान कहीं भी हो, गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है और इसी संकल्पना तथा निरंतर परिवर्तनशील वैश्विक परिदृश्य को केंद्र में रखते हुए निदेशालय ने व्यवसाय प्रशासन, समाजकार्य, पत्रकारिता, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, हिंदी, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा कला, शिक्षा, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, पत्रकारिता में स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, कंप्यूटर, पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/ डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं, जो उच्च शिक्षा को जन–जन के द्वार तक पहुँचाने में सार्थक होंगे।

निदेशालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों को लगातार लोकप्रियता प्राप्त हो रही है। मुझे विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय आपके सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास करते हुए एक योग्य, सक्षम एवं संवेदनशील नागरिक बनने का अवसर देगा। विश्वविद्यालय के अध्यापक और कर्मचारीगण सभी आपकी उच्च शिक्षा यात्रा में हर स्तर पर सहयोग एवं विकास में आपके साथ हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल)
कुलपति

# निदेशक का संदेश...

हिंदी केवल भारत की नहीं वरन विश्व की सबसे अधिक वैज्ञानिक भाषा है। यह ज्ञान–विज्ञान के समस्त क्षेत्रों में अभिव्यक्ति के लिए न केवल उपयोगी है प्रत्युत वैश्विक संदर्भों में इसकी सार्थकता को भी सभी ने स्वीकार किया है। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अंतर्गत बिना किसी भेदभाव के भारतीय समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को पहुँचना प्रमुख लक्ष्य है। यह केवल ज्ञान प्रदान करने का माध्यम मात्र नहीं होगी वरन श्रेष्ठ व्यक्ति के निर्माण की संकल्पना को चरितार्थ करना इसका ध्येय है। यह शिक्षा प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा, आधुनिक जीवन मूल्यों और भविष्य की चुनौतियों को केंद्र में रखकर समन्वयवादी दृष्टि की होगी। इसीलिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने भारत के प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा को पहुँचने की दृष्टि से विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन आरंभ कर दिया है, जिसका लक्ष्य भारत के प्रत्येक व्यक्ति तक मूल्यपरक शिक्षा को पहुँचाना है। विशेष रूप से ऐसे सामाजिकों तक जिनके पास शिक्षा प्राप्त करने साधन अत्यन्त सीमित हैं।

शिक्षा संस्थानों की कमी, आर्थिक संसाधनों के अभाव और व्यस्ततम जीवनचर्या के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाने वाले सामाजिकों के लिए दूरशिक्षा सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय हिंदी भाषा के माध्यम से विभिन्न विषयों की शिक्षा देने के लिए संकल्पबद्ध है। निश्चित रूप से नयी शिक्षा नीति की मूल स्थापनाओं में शोध के नए आयामों और नवाचार के प्रतिमानों को प्राप्त करने में यह विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। इस दिशा में दूर शिक्षा निदेशालय विभिन्न रोज्गारोन्मुख पाठ्यक्रमों के संचालन द्वारा भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को चरितार्थ करने की दिशा में अग्रसर है। नए और उन्नत भारत के निर्माण में आप सभी का स्वागत है। निदेशालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के प्रति मैं हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ।

(प्रो. हरीश अरोड़ा)
निदेशक

# निदेशालय का परिचय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, भारतीय संसद द्वारा पारित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम, 1996 (1997 की अधिनियम संख्या 3) के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय है। यह विश्वविद्यालय वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के लिए एक विकल्प उपस्थित करने का प्रयास है। विश्वविद्यालय की दृष्टि में यह वैकल्पिकता सक्रिय रूप में दिखाई पड़ती है। इसके शैक्षणिक ढाँचे में आवश्यकतानुसार लचीलेपन का समावेश लक्षित है। विश्वविद्यालय के अधिनियम की धारा 4 में उल्लिखित विश्वविद्यालय के उद्देश्य निम्नांकित हैं –

''विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणतः हिंदी भाषा तथा साहित्य का संवर्धन और विकास करना एवं उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों एवं अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना, देश तथा विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी की कार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन व भाषा विज्ञान आदि क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना, विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी सेवियों, विद्वानों एवं समूहों तक पहुँचना तथा विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण व अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना होगा।'' साथ ही धारा 5 के उपबंध (V) के अंतर्गत विश्वविद्यालय को प्रदत्त शक्तियों में बताया गया है कि ''दूर शिक्षा माध्यम से उन व्यक्तियों को, जिनके बारे में वह अवधारित करे, सुविधाएँ प्रदान करना।'' इसी पृष्ठभूमि के आलोक में 15 जून, 2007 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय का उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष महामहिम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा किया गया।

दूर शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की शिक्षा समाज के हर तबके, विशेष तौर पर हाशिए पर रह रहे शिक्षा से वंचित लोगों तक पहुँचाना है। यह हिंदी भाषा को आधार बनाकर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु कटिबद्ध है। निदेशालय स्त्री–अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने का प्रयास करेगा ताकि विश्वशांति एवं समता जैसे मूल्यों को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके। हिंदी में मौलिक वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध निदेशालय यह प्रयास करेगा कि एक ओर दूर शिक्षा कार्यक्रम शोध द्वारा हिंदी एवं ज्ञान के अनुशासनों में मौलिक सृजन करे, साथ ही दूसरी ओर हिंदी भाषा के माध्यम से रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आम जन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूर शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्त्वपूर्ण है। अतः यह उन सभी व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्ति का एक बेहतर अवसर प्रदान कर सकेगा जो किसी कारण शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके। आशा है कि इसी राह पर चलते हुए यह निदेशालय अपने ध्येय 'शिक्षा जन–जन के द्वार' को चरितार्थ कर सकेगा।

## दर्शन

दूर शिक्षा निदेशालय शिक्षा की औपचारिक व्यवस्था के लिए विकल्प उपस्थित करने, हिंदी में मौलिक सोच एवं अनुसंधान, समाज के हर तबके, विशेष तौर पर असुविधाग्रस्त तथा वंचित तबकों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुँच आसान बनाने हेतु ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की हिंदी भाषा के माध्यम से मौलिक प्रस्तुति एवं नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करते हुए दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का हिंदी माध्यम से प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करेगा।

## उद्देश्य

- परंपरागत व्यवस्था से लाभ उठाने से वंचितों को उच्च शिक्षा में बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराना।
- बृहत् हिंदी–भाषी समुदाय के लिए उच्च शिक्षा में अत्याधुनिक, तकनीकी एवं विशिष्ट अनुशासनों के अवसरों में वृद्धि करना।
- हिंदी माध्यम से उपाधि प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अधिकतम सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

- नव–स्नातकों को पाठ्यक्रम की सफलतापूर्ण समाप्ति पर रोज़गार के नए एवं बेहतर अवसरों की ओर उन्मुख करने के लिए रोज़गारपरक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना।
- शिक्षा की इस पद्धति द्वारा हिंदी माध्यम से विशेषज्ञता प्राप्त करने को बढ़ावा देना।
- विश्वविद्यालयों की वर्तमान शैक्षणिक व्यवस्था में बेहतर अंतरसंबद्धता उपलब्ध कराने का सक्षम प्रयास करना।

## अकादमिक कैलेंडर

### सामान्य पाठ्यक्रम

| विवरण | तिथियाँ |
|---|---|
| विज्ञापन जारी करने की तिथि | 23.03.2021 |
| आवश्यक दस्तावेज एवं पाठ्यक्रम शुल्क सहित प्रवेश आवेदन–पत्र ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि | 30.04.2021 |
| आवेदनों की छँटनी के उपरांत प्रवेश हेतु अर्ह आवेदकों की अभ्यास केंद्रवार सूची अपलोड करने की तिथि | 15.05.2021 |
| अंतिम नामांकन सूची विवि वेबसाइट पर प्रकाशित करने की तिथि एवं सत्रारंभ | 15.05.2021 |
| सत्रीय कार्य, परियोजना कार्य, क्षेत्रीय कार्य जर्नल, अवलोकन कार्य एवं परीक्षा फार्म आदि निदेशालय/ क्षेत्रीय केंद्र एवं अभ्यास केंद्र में जमा करने की अंतिम तिथि | *** |
| प्रथम सत्रांत परीक्षा का आरंभ | *** |
| प्रथम सत्रांत परीक्षा परिणाम विवि की वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि | *** |
| द्वितीय सत्र का आरंभ | *** |
| सत्रीय कार्य, परियोजना कार्य, क्षेत्रीय कार्य जर्नल, अवलोकन कार्य एवं परीक्षा फार्म आदि निदेशालय/ क्षेत्रीय केंद्र एवं अभ्यास केंद्र में जमा करने की अंतिम तिथि | *** |
| द्वितीय सत्र की परीक्षा आरंभ | *** |
| द्वितीय सत्रांत परीक्षा परिणाम विवि की वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि | *** |

* परीक्षा की तिथि एवं परीक्षा परिणाम के लिए निदेशालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance देखें।


**– संपर्क –**

दूर शिक्षा निदेशालय

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय**

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र) – 442001

**टोल फ्री क्रमांक : 18002331575 वेबसाइट : www.hindivishwa.org/distance**

## पाठ्यक्रमों का विवरण

(निदेशालय से संचालित समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (DEB), नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) से मान्यता प्राप्त हैं।)

| क. | पाठ्यक्रम | कोड | पात्रता | पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने की अवधि न्यूनतम– | अधिकतम |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)* | 001 | स्नातक (GEN/OBC- 45%, SC/ST/PH- 40%) | 2 वर्ष | 4 वर्ष |
| 2 | समाजकार्य में स्नातकोत्तर (MSW) | 002 | स्नातक | 2 वर्ष | 4 वर्ष |
| 3 | पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ) | 003 | पत्रकारिता में स्नातक (BJ) | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 4 | एमए हिंदी (MAHD) | 010 | स्नातक | 2 वर्ष | 4 वर्ष |
| 5 | शिक्षा स्नातक (BEd)* | 012 | 1. प्रारंभिक शिक्षा में प्रशिक्षित सेवारत अध्यापक<br>2. वे अभ्यर्थी, जिन्होने एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त नियमित रीति (फेस टू फेस) से अध्यापक पूर्ण किया है।<br>3. स्नातक (GEN- 50%, OBC-NCL/SC/ST/PH- 45%) | 2 वर्ष | 5 वर्ष |
| 6 | कला में स्नातक | 017 | 10+ 2 / समकक्ष | 3 वर्ष | 6 वर्ष |
| 7 | पत्रकारिता में स्नातक (BJ) | 007 | स्नातक (10+2+3) / समकक्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 8 | इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEM&FP) | 008 | स्नातक (10+2+3) / समकक्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 9 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC) | 009 | स्नातक (10+2+3) / समकक्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 10 | कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA) | 011 | स्नातक (10+2+3) / समकक्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 11 | सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCWH) | 018 | स्नातक (10+2+3) / समकक्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 12 | अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDT) | 019 | स्नातक (10+2+3) / समकक्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 13 | नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDD&T) | 020 | स्नातक (10+2+3) / समकक्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 14 | मीडिया लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMW) | 021 | स्नातक (10+2+3) / समकक्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष |
| 15 | कंप्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा (DCA) | 013 | 10+ 2 / समकक्ष | 1 वर्ष | 2 वर्ष |
| 16 | नेतृत्व एवं प्रशासन में प्रमाणपत्र (CL&A)** | 022 | 10+ 2 / समकक्ष | 6 महीने | 1 वर्ष |
| 17 | चीनी भाषा में प्रमाणपत्र (CCL)** | 023 | 10+ 2 / समकक्ष | 6 महीने | 1 वर्ष |
| 18 | फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (CFL)** | 024 | 10+ 2 / समकक्ष | 6 महीने | 1 वर्ष |
| 19 | जर्मनी भाषा में प्रमाणपत्र (CGL)** | 025 | 10+ 2 / समकक्ष | 6 महीने | 1 वर्ष |
| 20 | जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (CJL)** | 026 | 10+ 2 / समकक्ष | 6 महीने | 1 वर्ष |
| 21 | स्पैनिश भाषा में प्रमाणपत्र (CSL)** | 027 | 10+ 2 / समकक्ष | 6 महीने | 1 वर्ष |
| 22 | गैर सरकारी संस्थाओं के निर्माण एवं प्रबंधन में प्रमाणपत्र (CD&MNGO)** | 028 | 10+ 2 / समकक्ष | 3 महीने | 6 महीने |

नोटः. * यूजीसी डेब से अनुमोदन की प्रत्याशा में स्थगित हैं। अनुमोदनोपरांत सूचना अलग से केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। ** केवल मुख्यालय से संचालित किए जाएंगे।

## 1. व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (001MBA)*

यह हिंदी माध्यम द्वारा प्रबंधन क्षेत्र में दूर शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत संचालित होने वाला एकमात्र और अनोखा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम ने उन विद्यार्थियों, जिन्हें व्यवसाय प्रशासन में रुचि है, के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार के द्वार खोल दिए हैं। इस पाठ्यक्रम से इसके अध्येताओं में आत्मविश्वास तो पैदा होगा ही, साथ ही वे दक्षता के साथ हर क्षेत्र में आगे भी बढ़ सकेंगे। वर्तमान संदर्भों में बाज़ार की माँग को ध्यान में रखते हुए विविध विशेषज्ञताओं में इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। यह पाठ्यक्रम कुल 90 क्रेडिट का है।

### पाठ्य–विवरण

### प्रथम सेमेस्टर

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 401 | प्रबंधन का मूल आधार | 2 |
| 2 | MS 402 | संगठनात्मक व्यवहार | 2 |
| 3 | MS 403 | प्रबंधकीय लेखांकन | 4 |
| 4 | MS 404 | प्रबंधकीय अर्थशास्त्र | 4 |
| 5 | MS 405 | व्यवसाय के कानूनी पहलू | 4 |
| 6 | MS 406 | प्रबंधन सूचना प्रणाली एवं संगणक के अनुप्रयोग | 4 |

### द्वितीय सेमेस्टर

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 411 | मानव संसाधन प्रबंधन | 4 |
| 2 | MS 412 | वित्तीय प्रबंधन | 4 |
| 3 | MS 413 | विपणन प्रबंधन | 4 |
| 4 | MS 414 | अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन | 4 |
| 5 | MS 415 | व्यावसायिक वातावरण | 4 |
| अनिवार्य | | हिंदी भाषा दक्षता | 4 |

### तृतीय सेमेस्टर (अनिवार्य विषय)

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 420 | शोध के मूल आधार | 4 |
| 2 | MS 421 | उद्यमिता के मूल आधार | 4 |
| 3 | MS 422 | व्यावसायिक संप्रेषण | 4 |
| अनिवार्य | | संगणक (कंप्यूटर) दक्षता | 4 |

विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित किसी एक विशेषज्ञता से 2 विषय एवं दूसरी विशेषज्ञता से 2 विषय का चयन करें।

### विपणन

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 423 | उपभोक्ता व्यवहार | 2 |
| 2 | MS 424 | बिक्री प्रबंधन | 2 |
| 3 | MS 425 | सेवा विपणन | 2 |
| 4 | MS 426 | खुदरा प्रबंधन | 2 |

### वित्त

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 428 | वित्तीय सेवाओं के मूल आधार | 2 |
| 2 | MS 429 | वित्तीय संस्थानों का प्रबंधन | 2 |
| 3 | MS 430 | कार्यशील पूँजी का प्रबंधन | 2 |
| 4 | MS 431 | मुद्रा एवं बैंकिंग | 2 |

## मानव संसाधन

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 433 | प्रशिक्षण और विकास | 2 |
| 2 | MS 435 | औद्योगिक संबंधों का प्रबंधन | 2 |
| 3 | MS 436 | श्रम कानून | 2 |
| 4 | MS 437 | संगठनों में टीम बिल्डिंग | 2 |

## **चतुर्थ सेमेस्टर** (अनिवार्य विषय)

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 438 | अंतिम अनुसंधान परियोजना | 8 |
| 2 | MS 439 | सामरिक प्रबंधन | 4 |
| अनिवार्य | | संगणकीय (कंप्यूटर) व्यावहारिक प्रशिक्षण | 2 |

विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर के विशेषज्ञतानुसार निम्नलिखित किसी एक विशेषज्ञता से 2 विषय एवं दूसरी विशेषज्ञता से 2 विषय का चयन करें :

### विपणन

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 442 | विज्ञापन एवं बिक्री संवर्धन | 2 |
| 2 | MS 443 | आपूर्ति शृंखला प्रबंधन | 2 |
| 3 | MS 444 | ब्रांड प्रबंधन | 2 |
| 4 | MS 445 | विपणन शोध | 2 |

### वित्त

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 446 | विलय और अधिग्रहण | 2 |
| 2 | MS 447 | स्टॉक मार्केट ऑपरेशंस | 2 |
| 3 | MS 448 | सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन | 2 |
| 4 | MS 449 | अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन | 2 |

### मानव संसाधन

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MS 450 | संगठनात्मक विकास | 2 |
| 2 | MS 451 | मानव संसाधन विकास | 2 |
| 3 | MS 452 | मुआवजा प्रबंधन | 2 |
| 4 | MS 453 | मानव संसाधन नियोजन | 2 |

**एमबीए परियोजना रूपरेखा :** परियोजना रूपरेखा को जमा/ परिवर्तन/ परिवर्धन/ संशोधन हेतु अधिकतम दो बार निःशुल्क अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके उपरांत ₹ 500 के साथ पुनः जमा किया जा सकेगा।

**एमबीए परियोजना कार्य का माध्यम हिंदी होगा।**

## 2. समाजकार्य में स्नातकोत्तर (002 MSW)

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाजकार्य से जुड़े व्यवसायों में उच्च अध्ययन के अवसर प्रदान करता है। समाजकार्य पाठ्यक्रम के परंपरागत विषयों के साथ यह वैश्वीकरण, विस्थापन, भारत में समाजकार्य का इतिहास, एड्स/एचआईवी इत्यादि समसामयिक व प्रासंगिक विषयों को भी समाहित करता है। इस पाठ्यक्रम का व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों के रोज़गार की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण एवं उपयोगी है। यह पाठ्यक्रम 90 क्रेडिट का है।

### पाठ्य–विवरण

**प्रथम सेमेस्टर**

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MSW 01 | समाज कार्य का उद्भव और विकास | 4 |
| 2 | MSW 02 | सामाजिक विज्ञान अवधारणाएँ | 4 |
| 3 | MSW 03 | समाज कार्य के क्षेत्र | 4 |
| 4 | MSW 04 | व्यक्तित्व एवं मानव व्यवहार की गतिकी | 4 |
| 5 | MSW 05 | भारतीय सामाजिक समस्याएँ | 4 |

**द्वितीय सेमेस्टर**

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MSW 06 | सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य | 4 |
| 2 | MSW 07 | सामाजिक समूह कार्य | 4 |
| 3 | MSW 08 | सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया | 4 |
| 4 | MSW 09 | समाजकार्य एवं सामाजिक विकास | 4 |
| 5 | MSW 10 | सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन | 4 |
| अनिवार्य | | हिंदी भाषा दक्षता | 4 |

**तृतीय सेमेस्टर**

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MSW 11 | समाज कार्य प्रबंधन | 4 |
| 2 | MSW 12 | समाज कार्य अनुसंधान | 4 |
| 3 | MSW 13 | सामुदायिक स्वास्थ्य | 4 |
| 4 | MSWFW01 | क्षेत्र कार्य | 8 |
| अनिवार्य | | संगणक (कंप्यूटर) दक्षता | 4 |

**चतुर्थ सेमेस्टर**

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | MSW 14 | गांधीय समाज कार्य | 4 |
| 2 | MSW 15 | परामर्श एवं संप्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य | 4 |
| 3 | MSW 16 | संविधान और मानवाधिकार | 4 |
| 4 | MSWP01 | परियोजना कार्य | 8 |
| अनिवार्य | | संगणकीय (कंप्यूटर) व्यावहारिक प्रशिक्षण | 2 |

## 3. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (003 MJ)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य जनसंचार सिद्धांतों, मीडिया की विभिन्न धारणाओं–समस्याओं का विस्तृत एवं गहन अध्ययन कराना है। इस पाठ्यक्रम द्वारा माध्यमों (मीडिया) के संबंध में शोध प्रशिक्षण एवं सतत अध्ययन को गति देना, मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रुचि के अनुसार दक्षता का विकास किया जाना है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को पत्रकारिता की विभिन्न संस्थाओं में कार्य करने हेतु आवश्यक कौशल उपलब्ध कराया जाता है। यह पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है।

### पाठ्य–विवरण

| क्र. | कोड | विषय | क्र. | कोड | विषय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | MJ 101 | जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन | 5. | MJ 105 | विशेषीकृत पत्रकारिता एवं समाज |
| 2 | MJ 102 | फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन | 6 | MJ 106 | न्यू मीडिया प्रोडक्शन |
| 3 | MJ 103 | जनसंचार शोध प्रविधि | 7 | MJ 107 | न्यू मीडिया एवं समाज |
| 4 | MJ 104 | जनसंचार के सिद्धांत | 8 | MJ 108 | परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट वर्क) |

## 4. एमए हिंदी : (010 MAHD)

यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए है जो स्वाध्याय केंद्रित दूर शिक्षा के माध्यम से हिंदी भाषा और साहित्य का सम्यक् अध्ययन कर हिंदी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं। सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप निर्मित 4 सेमेस्टर में विभक्त यह द्विवर्षीय पाठ्यक्रम कुल 90 क्रेडिट का है। यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा एवं साहित्य की परम्परागत पाठ्यचर्याओं के साथ ही 'प्रयोजनमूलक हिंदी', 'हिंदी पत्रकारिता', 'हिंदी भाषा एवं भाषा–शिक्षण' तथा 'सृजनात्मक लेखन' जैसी रोजगारोन्मुखी पाठ्यचर्याओं के अध्ययन का अवसर सुलभ कराता है। यह पाठ्यक्रम इस दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है कि इसमें 'हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण', 'तुलनात्मक भारतीय साहित्य', एवं 'नव सामाजिक विमर्श' जैसी अत्यन्त आवश्यक एवं प्रासंगिक पाठ्यचर्याओं के साथ ही नैतिक संस्कारों और जीवन मूल्यों की चेतना के निहितार्थ 'हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना' जैसी समाजोपयोगी पाठ्यचर्या का भी समावेश किया गया है। परियोजना कार्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी के कालजयी रचनाकारों के समग्र कृतित्व एवं हिंदी की समवेत संस्कृति की स्थापना में सहायक विभिन्न प्रचार संस्थाओं / नाट्य–संस्थाओं, पत्र–पत्रिकाओं, साहित्यिक आंदोलनों, पुस्तकालयों, साहित्यिक केंद्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि के विशेष योगदान का सघन अध्ययन करने हेतु प्रवृत्त करना इस पाठ्यक्रम का अपना वैशिष्ट्य है।

पाठ्य–विवरण

### प्रथम सेमेस्टर

| क्र. | कोड | अनिवार्य / वैकल्पिक | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| 1 | MAHD-01 | अनिवार्य | प्रारम्भिक हिंदी काव्य | 4 |
| 2 | MAHD-02 | अनिवार्य | हिंदी उपन्यास एवं कहानी | 4 |
| 3 | MAHD-03 | अनिवार्य | भारतीय काव्यशास्त्र | 4 |
| 4 | MAHD-04 | अनिवार्य | हिंदी साहित्य का इतिहास–1 | 4 |
| 5 | MAHD-05 | वैकल्पिक | प्रयोजनमूलक हिंदी | 4 |
| 6 | MAHD-06 | वैकल्पिक | लोक–साहित्य | 4 |

### द्वितीय सेमेस्टर

| क्र. | कोड | अनिवार्य / वैकल्पिक | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| 1 | MAHD-07 | अनिवार्य | मध्यकालीन हिंदी काव्य | 4 |
| 2 | MAHD-08 | अनिवार्य | हिंदी नाटक एवं रंगमंच | 4 |
| 3 | MAHD-09 | अनिवार्य | पाश्चात्य काव्यशास्त्र | 4 |
| 4 | MAHD-10 | अनिवार्य | हिंदी साहित्य का इतिहास–2 | 4 |
| 5 | MAHD-11 | वैकल्पिक | हिंदी पत्रकारिता | 4 |
| 6 | MAHD-12 | वैकल्पिक | हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण | 4 |
| | | अनिवार्य | हिंदी भाषा दक्षता | 4 |

### तृतीय सेमेस्टर

| क्र. | कोड | अनिवार्य / वैकल्पिक | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| 1 | MAHD-13 | अनिवार्य | आधुनिककालीन हिंदी काव्य | 4 |
| 2 | MAHD-14 | अनिवार्य | हिंदी आलोचना | 4 |
| 3 | MAHD-15 | अनिवार्य | हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि | 4 |
| 4 | MAHD-16 | अनिवार्य | तुलनात्मक भारतीय साहित्य | 4 |
| 5 | MAHD-17 | वैकल्पिक | हिंदी भाषा एवं भाषा–शिक्षण | 4 |
| 6 | MAHD-18 | वैकल्पिक | सृजनात्मक लेखन | 4 |
| | | अनिवार्य | संगणक (कंप्यूटर) दक्षता | 4 |

**चतुर्थ सेमेस्टर**

| क्र. | कोड | अनिवार्य / वैकल्पिक | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| 1 | MAHD-19 | अनिवार्य | हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना | 4 |
| 2 | MAHD-20 | अनिवार्य | हिंदी के विविध गद्य–रूप | 4 |
| 3 | MAHD-21 | अनिवार्य | भाषाविज्ञान | 4 |
| 4 | MAHD-22 | अनिवार्य | नव सामाजिक विमर्श | 4 |
| 5 | MAHD-23 | वैकल्पिक | परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन | 4 |
| 6 | MAHD-24 | वैकल्पिक | परियोजना कार्य : हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन | 4 |
| | | अनिवार्य | संगणकीय (कंप्यूटर) व्यावहारिक प्रशिक्षण | 2 |

## 5. शिक्षा-स्नातक (012 BEd)*

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सेवारत शिक्षकों को सतत व्यावसायिक विकास का एक मंच प्रदान करना है, जो माध्यमिक स्तर पर प्रभावशाली अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया हेतु उन्हें सक्षम बना सके। यह पाठ्यक्रम सेवारत अध्यापकों के अनुभवों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सेवारत शिक्षकों में शिक्षाशास्त्रीय कुशलताओं को इस प्रकार से विकसित किया जाएगा कि वे शिक्षण के विभिन्न दार्शनिक, सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक आयामों के बृहत्तर परिदृश्य को भारतीय संदर्भ में समझ सकें। इस पाठ्यक्रम का निर्माण शिक्षा की समकालीन माँग को ध्यान में रखते हुए किया गया है। यह पाठ्यक्रम दो वर्ष का है, जिसमें विद्यार्थी को कुल 80 क्रेडिट अर्जित करने होंगे।

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य सेवारत अध्यापकों को निम्नलिखित के योग्य बनाना है :

1. सेवारत अध्यापकों के अनुभवों को व्यवस्थित करना और उनकी व्यावसायिक क्षमताओं को सुदृढ़ करना।
2. उन कौशलों को विकसित करना, जो माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के अध्ययन अनुभवों के चयन करने और उन्हें व्यवस्थित करने हेतु आवश्यक माने जाते हैं।
3. उन कौशलों को विकसित करना, जो विद्यार्थियों की शैक्षिक और निजी समस्याओं को सुलझाने हेतु आवश्यक हैं।
4. ज्ञान का निर्माण करना तथा कक्षा में उसका प्रयोग करना।
5. शैक्षिक आकलन व मूल्यांकन उपकरणों का चयन, विकास और प्रयोग करने हेतु सम्मिलित कौशलों को विकसित करना।
6. विद्यालय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान और बोध प्राप्त कराना।
7. विभिन्न शिक्षण, अनुदेशन और विद्यार्थी सहायता कार्य–कलाप आयोजित करने के लिए क्षमताएँ विकसित करना ।
8. वर्तमान, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भ में सामान्य तौर पर, नई शैक्षिक पद्धति में विशेष तौर पर अध्यापक की भूमिका के महत्त्व का बोध विकसित करना।

## पाठ्य–विवरण

| प्रथम सेमेस्टर | | | |
|---|---|---|---|
| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
| 1 | शिक्षा 011 | शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन | 4 |
| 2 | शिक्षा 012 | शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ | 4 |
| 3 | शिक्षा 013 | समकालीन भारत एवं शिक्षा | 4 |
| 4 | शिक्षा 014 | शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी | 4 |
| 5 | शिक्षा 015 | विद्यालय प्रशासन एवं संगठन | 4 |

| द्वितीय सेमेस्टर | | | |
|---|---|---|---|
| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
| 1 | शिक्षा 021 | संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण | 4 |
| 2 | शिक्षा 022 | शैक्षिक आकलन | 4 |
| 3 | शिक्षा 023 | विद्यालय विषय शिक्षण – I | 2 |
| 4 | शिक्षा 024 | विद्यालय विषय शिक्षण – II | 2 |
| 5 | शिक्षा 025 | विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व | 4 |
| 6 | शिक्षा 026 | व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह के लिए) | 4 |

| तृतीय सेमेस्टर | | | |
|---|---|---|---|
| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
| 1 | शिक्षा 031 | सूक्ष्म शिक्षण, पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन– विद्यालय विषय शिक्षण– I | 05 |
| 2 | शिक्षा 032 | सूक्ष्म शिक्षण, पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन– विद्यालय विषय शिक्षण– II | 05 |
| 3 | शिक्षा 033 | **प्रकल्प कार्य** (उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट, प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी), क्रियात्मक अनुसंधान, विद्यालय अभिलेखों का विवरण एवं प्रस्तुति, मनोविज्ञान प्रयोगात्मक, सामूहिक कार्य एवं रिपोर्ट) | 06 |
| 4 | शिक्षा 034 | **सत्रांत शिक्षण** विद्यालय विषय शिक्षण – I | 02 |
| 5 | शिक्षा 035 | **सत्रांत शिक्षण** विद्यालय विषय शिक्षण – II | 02 |

| चतुर्थ सेमेस्टर | | | |
|---|---|---|---|
| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
| 1 | शिक्षा 041 | शिक्षा तकनीकी | 4 |
| 2 | शिक्षा 042 | शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श | 4 |
| 3 | शिक्षा 043 | ज्ञान एवं पाठ्यचर्या | 4 |
| 4 | शिक्षा 044 | पर्यावरण शिक्षा | 4 |
| 5 | शिक्षा 045 | जेंडर, विद्यालय और समाज (वैकल्पिक) | 4 |
| 6 | शिक्षा 046 | मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (वैकल्पिक) | 4 |

## 6. कला में स्नातक (038 BA)

यह हिंदी भाषा की अनिवार्यता के साथ स्नातक/ बीए पाठ्यक्रम में दूर शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत संचालित होने वाला एक विशिष्ट पाठ्यक्रम है। जिन विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के अध्ययन में रुचि है उन्हें यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा के साथ अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के साथ किसी एक सामाजिक विज्ञान विषय के साथ स्नातक/ बीए की उपाधि प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध कराता है साथ ही यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को इस बात का भी अवसर उपलब्ध कराता है कि यदि वह चाहे तो हिंदी भाषा के साथ किसी अन्य भाषा का चयन न कर सामाजिक विज्ञान समूह से ही दो विषयों का अध्ययन कर स्नातक उपाधि प्राप्त कर सकता है। इस पाठ्यक्रम के संरचना– विन्यास करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि विद्यार्थी जहाँ रोज़गार की दृष्टि से वर्तमान तकनीकी ज्ञान से समृद्ध हो सके, वहीं वह भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षा की ओर भी उन्मुख हो सके। यह पाठ्यक्रम कुल 96 क्रेडिट का है।

## पाठ्य–विवरण

### प्रथम वर्ष

| प्रथम सेमेस्टर (छमाही) | | | द्वितीय सेमेस्टर (छमाही) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **कोर्स कोड** | **विषय** | **क्रेडिट** | **कोर्स कोड** | **विषय** | **क्रेडिट** |
| CC | भाषा (हिंदी/मराठी/संस्कृत/उर्दू /अंग्रेज़ी) किसी एक का चयन करें | 4 | CC | प्रथम सेमेस्टर में चयनित भाषा का अध्ययन | 4 |
| DSC-1A | हिंदी अनुशासन–1 | 4 | DSC-1B | हिंदी अनुशासन–2 | 4 |
| DSC-2A | **समूह– ख** में से कोई एक अनुशासन –1 | 4 | DSC-2B | **समूह– ख** में से चयनित अनुशासन –2 | 4 |
| AECC-1 | पर्यावरण | 4 | AECC-2 | मानवाधिकार | 4 |

### द्वितीय वर्ष

| तृतीय सेमेस्टर (छमाही) | | | चतुर्थ सेमेस्टर (छमाही) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **कोर्स कोड** | **विषय** | **क्रेडिट** | **कोर्स कोड** | **विषय** | **क्रेडिट** |
| CC | प्रथम सेमेस्टर में चयनित भाषा को छोड़ कर किसी एक अन्य भाषा का चयन करें | 4 | CC | तृतीय सेमेस्टर में चयनित भाषा का अध्ययन | 4 |
| DSC-1C | हिंदी अनुशासन–3 | 4 | DSC-1D | हिंदी अनुशासन–4 | 4 |
| DSC-2C | **समूह– ख** में से चयनित अनुशासन–3 | 4 | DSC-2D | **समूह– ख** में से चयनित अनुशासन–4 | 4 |
| SEC-1 | कौशल संवर्धक पाठयक्रम (किसी एक का चयन करें)<br>• प्रिंट मीडिया लेखन<br>• सृजनात्मक लेखन (काव्य) | 4 | SEC-2 | कौशल संवर्धक पाठयक्रम (किसी एक का चयन करें)<br>• इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन<br>• सृजनात्मक लेखन (गद्य) | 4 |

### तृतीय वर्ष

| पंचम सेमेस्टर (छमाही) | | | षष्ट सेमेस्टर (छमाही) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **कोर्स कोड** | **विषय** | **क्रेडिट** | **कोर्स कोड** | **विषय** | **क्रेडिट** |
| DSE-1A | हिंदी अनुशासन आधारित विषय–1 | 4 | DSE-1B | हिंदी अनुशासन आधारित विषय–2 | 4 |
| DSE-2A | **समूह– ख** से चयनित अनुशासन आधारित विषय–1 | 4 | DSE-2B | **समूह– ख** से चयनित अनुशासन आधारित विषय– 2 | 4 |
| SEC-3 | कौशल संवर्धक पाठयक्रम (किसी एक का चयन करें)<br>• नाटक एवं रंगमंच<br>• अनुवाद विज्ञान | 4 | SEC-3 | कौशल संवर्धक पाठयक्रम (किसी एक का चयन करें)<br>• प्रयोजनमूलक हिंदी<br>• कंप्यूटर दक्षता | 4 |
| GE-1 | सामान्य ऐच्छिक पाठयक्रम–1<br>हिंदी अनुशासन एवं समूह ख में से चयनित विषय को छोड कर किसी एक अन्य विषय का चयन करें | 4 | GE-2 | सामान्य ऐच्छिक पाठयक्रम–2<br>हिंदी अनुशासन एवं समूह ख में से चयनित अनुशासन को छोड कर किसी एक का चयन करें | 4 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| समूह क | हिंदी अनुशासन (अनिवार्य) | | | | | | |
| समूह ख | समाजशास्त्र | राजनीति विज्ञान | इतिहास | दर्शनशास्त्र | मराठी | संस्कृत | उर्दू |

| | | |
|---|---|---|
| Core Courses (CC) कोर कोर्स | प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से इन विषयों का अध्ययन करना है। | |
| | Core Compulsory (CC)<br>कोर अनिवार्य भाषा | इसके अंतर्गत विद्यार्थी को चार सेमेस्टर तक प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में एक भाषा तथा तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर में एक अन्य भाषा को अध्ययन करना है |
| | Discipline Specific Core (DSC)<br>अनुशासन आधारित कोर विषय | अनुशासन आधारित चयनित दो अनिवार्य विषयों ( समूह क अनिवार्य होगा और समूह ख में से चयनित किसी एक अनुशासन) का अध्ययन चार सेमेस्टर तक करना होगा। |
| | Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)<br>अभिक्षमता संवर्द्धक अनिवार्य कोर्स<br>Environment and Human Rights<br>पर्यावरण एवं मानवाधिकार | विद्यार्थी को प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में क्रमशः पर्यावरण एवं मानवाधिकार का अध्ययन करना होगा। |
| Discipline Specific Elective Course (DSE)<br>विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई एक) | | पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर में विद्यार्थी को कोर विषयों के समूह क एवं ख में चयनित विषय से **संबंधित** ऐच्छिक विषय का अध्ययन करना होगा। |
| Generic Elective (GE)<br>सामान्य (जेनेरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम | | पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर में विद्यार्थी को अनुशासन आधारित कोर विषय **के अतिरिक्त** अन्य ऐच्छिक विषय का चयन कर अध्ययन करना होगा। |
| Skill Enhancement Course (SEC)<br>कौशल–संवर्द्धन–पाठ्यक्रम | इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को मूल्य आधारित एवं कौशल आधारित ज्ञान अर्जित करना होगा। | तृतीय से षष्ठ सेमेस्टर तक विद्यार्थी को कौशल संवर्द्धक कोर्स का प्रदत्त समूह में से **एक** का चयन कर अध्ययन करना होगा। |

## 7. पत्रकारिता में स्नातक (007 BJ)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय का व्यावहारिक और गहन प्रशिक्षण देना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यमों के प्रति रुचि उत्पन्न करता है जिससे विद्यार्थी मुद्रित माध्यमों, पत्र–पत्रिकाओं आदि से लेकर रेडियो, टेलीविजन, समाचार एजेंसियों और सरकारी एवं कार्पोरेट संस्थाओं में रोजगार प्राप्त करने के लिए अपेक्षित कौशल हासिल कर सके। यह पाठ्यक्रम 48 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

| क्र. | कोड | विषय | क्र. | कोड | विषय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | BJ01 | कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया | 5 | BJ05 | जनसंपर्क एवं विज्ञापन |
| 2 | BJ02 | संचार एवं विकासात्मक संचार | 6 | BJ06 | संपादन, पृष्ठ सज्जा एवं मुद्रण |
| 3 | BJ03 | जनसंचार माध्यमों का इतिहास | 7 | BJ07 | मीडिया संस्थान प्रबंधन एवं मीडिया कानून |
| 4 | BJ04 | मीडिया लेखन | 8 | BJ08 | परियोजना कार्य |

## 8. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (008 PGD EM& FP)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन का विस्तृत एवं गहन अध्ययन कराना है। इसके अंतर्गत जनसंचार माध्यमों के संबंध में शोध प्रशिक्षण एवं सतत अध्ययन को गति देना, मीडिया के विभिन्न क्षेत्र में विशेष रुचि के अनुसार दक्षता पर विशेष बल दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हाउस और फिल्म प्रोडक्शन हाउस की विभिन्न संस्थाओं में कार्य करने हेतु आवश्यक कौशल उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। यह पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

| क्र. | कोड | विषय | क्र. | कोड | विषय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | PGDEM&FP01 | मीडिया : अवधारणा एवं सिद्धांत | 4 | PGDEM&FP04 | फ़िल्म प्रबंधन |
| 2 | PGDEM&FP02 | फ़िल्म परिचय एवं इतिहास | 5 | PGDEM&FP05 | प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट कार्य |
| 3 | PGDEM&FP03 | फ़िल्म प्रोडक्शन | | | |

## 9. पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (009PGDJMC)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य मीडिया क्षेत्र में कार्यरत लोगों तथा उनके व्यावसायिक विकास से जुड़े ज्ञान व कौशल में वृद्धि कराना है। यह डिप्लोमा जनसंचार एवं पत्रकारिता के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक आयामों को सर्वांगीण दृष्टि प्रदान करता है। इस डिप्लोमा के लिए पटकथा लेखक, रिपोर्टर, संपादक, फोटोग्राफर, तकनीकी सहायक, जनसंपर्क अधिकारी आदि के अनुभव स्वीकार्य होंगे। यह पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

| क्र. | कोड | विषय | क्र. | कोड | विषय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | PGDJMC01 | जनसंचार एवं पत्रकारिता : स्वरूप और सिद्धांत | 3 | PGDJMC03 | समाचार संकलन, लेखन एवं संपादन |
| 2 | PGDJMC02 | मीडिया और समाज | 4 | PGDJMC04 | जनसंपर्क एवं विज्ञापन |

## 10. कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (011 PGDCA)

आधुनिक जीवन में कंप्यूटर का विशेष महत्त्व है। जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में – चाहे वह शिक्षण संस्थान हो या वैज्ञानिक अनुसंधान, बैंक हो या चिकित्सा जगत संबंधी कार्य, रक्षा अनुसंधान कार्य हो या उद्योग एवं व्यापार जगत, संचार माध्यम हो या अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, प्रकाशन कार्य हो या मनोरंजन जगत – कम्प्यूटर का उपयोग बढ़ता जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी में कंप्यूटर का आधारभूत सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना है। यह पाठ्यक्रम 40 क्रेडिट का है।

माध्यमः हिंदी / अंग्रेजी

**प्रथम सेमेस्टर**

पाठ्य–विवरण

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | PGDCA-01 | कंप्यूटरः आधारभूत परिचय / Fundamentals of Computer | 4 |
| 2 | PGDCA-02 | ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम/ Operating System and Application Program | 4 |
| 3 | PGDCA-03 | प्रोग्रामिंग लैंग्वेज/ Programming Language | 4 |
| 4 | PGDCA-04 | C# के साथ ऑब्जेक्ट ओरएंटेट प्रोग्रामिंग / OOPS (Object oriented Programming) With C# | 4 |
| 5 | PGDCA-05 | सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण / Practical on C Programming | 2 |
| 6 | PGDCA-06 | एप्लीकेशन प्रोग्राम एवं C# का व्यावहारिक प्रशिक्षण / Practical on Application Program and C# | 2 |

**द्वितीय सेमेस्टर**

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | PGDCA-07 | डाटा बेस प्रोग्रामिंग / Data Base Programming | 4 |
| 2 | PGDCA-08 | विन्डोज और वेब प्रोग्रामिंग के साथ C#. NET/C#. NET with Windows & Web Programming | 4 |
| 3 | PGDCA-09 | इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग/ Internet and Web Page Designing | 4 |
| 4 | PGDCA-10 | डीटीपी (डेस्क टॉप पब्लिशिंग) / DTP (Desk Top Publishing) | 4 |
| 5 | PGDCA-11 | परियोजना कार्य / Project Work | 4 |

## 11. सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (018 PGDCWH)**

## 12. अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (019 PGDT)**

## 13. नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (020 PGDD&T)**

## 14. मीडिया लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (021 PGDMW)**

** पाठ्यक्रमों का पाठ्यविवरण शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध किया जाएगा।

## 15. कंप्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा (013 DCA)

आधुनिक युग में कंप्यूटर मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। अतः सूचना क्रांति व प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में कंप्यूटर का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यार्थी इसके माध्यम से कंप्यूटर का आधारभूत सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करे। यह पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का है।
माध्यमः हिंदी / अंग्रेजी

## पाठ्य–विवरण

### प्रथम सेमेस्टर

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | DCA-01 | कंप्यूटरः आधारभूत परिचय / Fundamentals of Computer | 4 |
| 2 | DCA-02 | ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम/ Operating System and Application Program | 4 |
| 3 | DCA-03 | प्रोग्रामिंग लैंग्वेज/ Programming Language | 4 |
| 4 | DCA-04 | सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण / Practical on C Programming | 4 |
| 5 | DCA-05 | एप्लीकेशन प्रोग्राम का व्यावहारिक प्रशिक्षण / Practical on Application Program | 4 |

### द्वितीय सेमेस्टर

| क्र. | कोड | विषय | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | DCA-06 | डाटा बेस प्रबंधन प्रणाली / Data Base Management System | 4 |
| 2 | DCA-07 | विजुअल बेसिक / Visual Basics(VB) | 4 |
| 3 | DCA-08 | इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग/ Internet and Web Page Designing | 4 |
| 4 | DCA-09 | परियोजना कार्य / Project Work | 4 |

नोट : समस्त पाठ्यक्रमों के अंग्रेज़ी पाठ्य–विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

**16. नेतृत्व एवं प्रशासन में प्रमाणपत्र (022 CL&A)****

**17. चीनी भाषा में प्रमाणपत्र (023 CCL)****

**18. फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (024 CFL)****

**19. जर्मनी भाषा में प्रमाणपत्र (025 CGL)****

**20. जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (026 CJL)****

**21. स्पैनिश भाषा में प्रमाणपत्र (027 CSL)****

**22. गैर सरकारी संस्थाओं के निर्माण एवं प्रबंधन में प्रमाणपत्र (028 CD&MNGO)****

** पाठ्यक्रमों का पाठ्यविवरण शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध किया जाएगा।

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों का माध्यम हिंदी है। सभी पाठ्यक्रमों के लिए समय–समय पर संपर्क कक्षाओं (Contact Classes) का आयोजन किया जाएगा। इसकी सूचना विश्वविद्यालय की **वेबसाइट : www.hindivishwa.org/distance पर दी जाएगी।**

# शुल्क सारणी

| क्र. | पाठ्यक्रम | शिक्षण शुल्क | प्रवेश शुल्क | नामांकन शुल्क | परिचय पत्र शुल्क | परीक्षा शुल्क | उपाधि शुल्क | कुल पाठ्यक्रम शुल्क(रु.में) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | MBA | 11,500 (प्रथम वर्ष) | 200 | 200 | 100 | 2,500 | – | 14,500 |
| | | 11,500 (द्वितीय वर्ष) | – | – | – | 2,500 | 250 | 14,250 |
| 2 | MSW | 8,000 (प्रथम वर्ष) | 200 | 200 | 100 | 2,500 | – | 11,000 |
| | | 8,000 (द्वितीय वर्ष) | – | – | – | 2,500 | 250 | 10,750 |
| 3 | MJ | 9,500 | 200 | 200 | 100 | 2,000 | 250 | 12,250 |
| 4 | MAHD | 4,000 (प्रथम वर्ष) | 200 | 200 | 100 | 2,500 | – | 7,000 |
| | | 4,000 (द्वितीय वर्ष) | – | – | – | 2,500 | 250 | 6,750 |
| 5 | BEd | 10,000 (प्रथम वर्ष) | 200 | 200 | 100 | 2,500 | – | 13,000 |
| | | 10,000 (द्वितीय वर्ष) | – | – | – | 2,500 | 250 | 12,750 |
| 6 | BA | 3000 (प्रथम वर्ष) | 200 | 200 | 100 | 2,000 | – | 5,500 |
| | | 3000 (द्वितीय वर्ष) | – | – | – | 2,000 | – | 5,000 |
| | | 3000 (तृतीय वर्ष) | – | – | – | 2,000 | 250 | 5,250 |
| 7 | BJ | 5,000 | 200 | 200 | 100 | 2,000 | 250 | 7,750 |
| 8 | PGDEM&FP | 5,500 | 200 | 200 | 100 | 1,300 | 250 | 7,750 |
| 9 | PGDJMC | 3,200 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 5,000 |
| 10 | PGDCA | 5,000 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 6,750 |
| 11 | PGDCWH | 3,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 5,000 |
| 12 | PGDT | 3,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 5,000 |
| 13 | PGDD&T | 3,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 5,000 |
| 14 | PGDMW | 3,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 5,000 |
| 15 | DCA | 4,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 6,000 |
| 16 | CL&A | 1,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 3,000 |
| 17 | CCL | 1,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 3,000 |
| 18 | CFL | 1,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 3,000 |
| 19 | CGL | 1,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 3,000 |
| 20 | CJL | 1,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 3,000 |
| 21 | CSL | 1,250 | 200 | 200 | 100 | 1,000 | 250 | 3,000 |
| 22 | CD&MNGO | 750 | 200 | 200 | 100 | 500 | 250 | 2,000 |

शिक्षण शुल्क में छूट : दिव्यांग एवं बीपीएल वर्ग के लिए संबंधित प्रमाणपत्र जमा करने पर शिक्षण शुल्क में क्रमशः 50%तथा 25% छूट का प्रावधान है।

# महत्त्वपूर्ण निर्देश

## प्रवेश प्रक्रिया

**आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार्य हैं।** बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश 'मेरिट' के आधार पर होगा। आवेदन–पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance पर उपलब्ध है, जिसे आवश्यक संलग्नकों के साथ निर्धारित अंतिम तिथि तक विश्वविद्यालय में जमा करना होगा। उक्त की जाँच के बाद चयनित विद्यार्थियों की सूची वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

## ऑनलाइन आवेदन

ऑनलाइन आवेदन हेतु दूर शिक्षा निदेशालय के वेब पेज (www.hindivishwa.org/ distance) पर प्रवेश स्थान पर उपलब्ध ऑनलाइन आवेदन पर क्लिक करना होगा।

## भुगतान प्रक्रिया

निर्धारित पाठ्यक्रम–शुल्क (वार्षिक/सत्रानुसार, जो लागू हो) सामान्यतः एकमुश्त देय है। रु. 10000 (दस हज़ार) से अधिक शुल्क की स्थिति में विद्यार्थी यदि चाहे तो संबंधित पाठ्यक्रम–शुल्क का भुगतान दो समान किस्तों (प्रथम–प्रवेश आवेदन के साथ तथा द्वितीय, परीक्षा आवेदन के साथ) में कर सकता है। **समस्त शुल्क केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएँगे।**

जमा किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस, स्थानांतरित या समायोजित नहीं किया जाएगा। यदि शुल्क विवरण में कोई परिवर्तन होगा, तो यह परिवर्तन सभी पर लागू होगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा।

## संलग्नकों की सूची

आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेजों की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है :

1. कक्षा 10 वीं की अंकसूची तथा प्रमाणपत्र (दोनों)
2. कक्षा 12 वीं की अंकसूची
3. डीएड/समकक्ष (बीएड के लिए अनिवार्य)
4. स्नातक की अंकसूची एवं प्रमाणपत्र/डिग्री/अंतिम प्रमाणपत्र (स्नातकोत्तर विषयों के लिए अनिवार्य)
5. अद्यतन अनुभव/सेवा प्रमाणपत्र (जहाँ लागू है।) बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शिक्षणाधिकारी द्वारा जारी सेवारत प्रमाणपत्र अनिवार्य है।
6. स्थायी पता का प्रमाण
7. जाति प्रमाण पत्र (OBC-NCL/SC/ST/EWS)
8. आधार कार्ड

विधिवत एवं पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेज़ के साथ निर्धारित तिथि तक निम्नलिखित पते पर प्रेषित करें –

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, पो. हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र) – 442 001

**अपूर्ण एवं अपाठ्य आवेदन बिना किसी सूचना के निरस्त करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास है।**

## पात्रता एवं प्रवेश

1. प्रत्येक पाठ्यक्रम में विद्यार्थी की निश्चित संख्या या लक्षित समूह की संख्या के निर्धारण का अधिकार विश्वविद्यालय का है, साथ ही यह संख्या पाठ्यक्रम की माँग व संचालित करने की क्षमता पर भी निर्भर होगी।
2. लक्षित समूह में नव–स्नातक विद्यार्थी, नौकरीपेशा अभ्यर्थी इत्यादि शामिल हैं।

3. प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश निर्धारित 'प्रवेश–पात्रता' के आधार पर ही होगा, जैसा कि विद्यार्थी मार्गदर्शिका में निर्देशित है।
4. सभी पाठ्यक्रमों का माध्यम हिंदी है।
5. स्नातक परीक्षा परिणाम हेतु प्रतीक्षारत विद्यार्थी भी आवेदन कर सकता है।
6. DEC/अधिसूचना/ 40.5.1.5/2012, दि. 01.11.2012 के अनुसार विद्यार्थी किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान से एक साथ दो स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्र नहीं है। अधिक जानकारी के लिए उक्त अधिसूचना संज्ञान में लें।

## परीक्षा केंद्र

अभ्यास केंद्र ही परीक्षा केंद्र हो यह अनिवार्य नहीं है। समस्त पाठ्यक्रमों की सत्रांत/वार्षिक परीक्षाएँ नियमानुसार विश्वविद्यालय द्वारा चयनित केंद्रों पर होंगी। विशेष परिस्थिति में परीक्षा केंद्र में परिवर्तन का अधिकार विश्वविद्यालय का है।

परीक्षा केंद्रों का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

## परीक्षा-आवेदन

अभ्यास केंद्र संचालक ध्यान रखें कि विद्यार्थियों द्वारा स्वहस्ताक्षरित परीक्षा आवेदन–प्रपत्र स्पष्ट और पूर्ण रूप से भरा हो यथा–परीक्षा केंद्र का नाम, पंजीयन संख्या/नामांकन संख्या, परीक्षार्थी का नाम (हिंदी व अंग्रेज़ी में), माता–पिता का नाम (हिंदी व अंग्रेज़ी में), पाठ्यक्रम का नाम एवं कोड, जन्मतिथि, प्रश्न पत्र का नाम व कोड, यदि पूरक है तो पूरक वाले कॉलम में ही अंकित है या नहीं, उपस्थिति–पत्रक एवं प्रवेश–पत्र भी पूर्ण रूप से भरा है या नहीं। अपूर्ण परीक्षा आवेदन–प्रपत्र किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा एवं बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त कर दिया जाएगा। इसका सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है।

## मूल्यांकन एवं परिणाम

दूर शिक्षा निदेशालय विद्यार्थियों के मूल्यांकन हेतु आंतरिक एवं सत्रांत मूल्यांकन पद्धति को अपनाता है। इसमें कुल पूर्णांकों में से 30 प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन/संपर्क कक्षाओं तथा शेष 70 प्रतिशत सत्रांत मूल्यांकन का होगा। सत्रांत मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। जो विद्यार्थी दोनों पूर्णांकों (100) में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करेगा, वही उत्तीर्ण माना जाएगा। 40 प्रतिशत प्राप्तांक लाने में असफल विद्यार्थी को अगली सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए निर्धारित शुल्क ₹300/- प्रति प्रश्नपत्र जमा करना होगा। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं होने पर अगले सत्र में सत्रीय कार्य पुनः जमा करने हेतु निर्धारित शुल्क ₹250/- जमा करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय के निशुल्क दूर भाष क्रमांक 18002331575 पर संपर्क किया जा सकता है।

## चयन-सूचना

चयनित विद्यार्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance पर उपलब्ध होगी। विद्यार्थी दूर शिक्षा के कार्यालय एवं संबंधित अभ्यास केंद्र से संपर्क कर वांछित जानकारी प्राप्त कर सकता है।

प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु चयनित अभ्यर्थियों द्वारा विश्वविद्यालय में निर्धारित शुल्क जमा कराने के बाद ही उनका नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा एवं नामांकन संख्या प्रदान की जाएगी। यह संख्या उनके परिचय–पत्र पर अंकित की जाएगी, जो पाठ्यक्रम पूर्ण करने की अवधि तक मान्य होगी। नामांकन हेतु प्रपत्र विद्यार्थी द्वारा चयनित अभ्यास–केंद्र से प्राप्त होगा। विद्यार्थी द्वारा भरा हुआ नामांकन प्रपत्र चयनित अध्ययन–केंद्र द्वारा अग्रेषित होना आवश्यक है।

## नामांकन प्रक्रिया

1. अभ्यर्थी अर्हता संबंधी दस्तावेज़ को स्वयं प्रमाणित करेगा तथा अपने अभ्यास केंद्र का चुनाव भी सुविधानुसार करेगा।
2. अभ्यर्थी पूर्णरूप से भरा आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेज की स्वप्रमाणित छायाप्रति एवं आवश्यक शुल्क के साथ चयनित अभ्यास केंद्र में निर्धारित तिथि के भीतर विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराने हेतु जमा कराएगा।
3. चयनित अभ्यर्थी को एक स्थाई पंजीयन संख्या एवं अभ्यास केंद्र उपलब्ध कराया जाएगा। अभ्यास केंद्र में आवंटित अभ्यर्थी की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट, दूर शिक्षा निदेशालय, क्षेत्रीय केंद्रों एवं संबंधित अभ्यास केंद्र में उपलब्ध होगी।
4. किसी भी स्थिति में अभ्यर्थी को आवंटित अभ्यास केंद्र को बदला नहीं जाएगा। सामान्यतः विश्वविद्यालय अभ्यर्थी को आवंटित अभ्यास केंद्र को अगले वर्ष भी जारी रखेगा, लेकिन असामान्य परिस्थिति में विश्वविद्यालय किसी अभ्यर्थी का आवंटित अभ्यास केंद्र बदल भी सकता है। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय अभ्यर्थी एवं अभ्यास केंद्र की किसी शिकायत की सुनवाई नहीं करेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा।

## विद्यार्थी सहायता केंद्र

वांछित अभ्यास–केंद्र का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा। उसी के अनुसार अभ्यास–केंद्र निर्धारित किया जाएगा। किन्हीं कारणों से वांछित केंद्र का निर्धारण संभव नहीं होगा तो विद्यार्थी के गृह जनपद के समीप का कोई अन्य अभ्यास–केंद्र, जहाँ विद्यार्थी द्वारा चयनित पाठ्यक्रम की सुविधा उपलब्ध हो, सुनिश्चित किया जाएगा। चयनित केंद्र–परिवर्तन की माँग सामान्यतः स्वीकार नहीं की जाएगी, किंतु विशेष परिस्थिति में किन्हीं औचित्यपूर्ण कारणों पर विचार किया जा सकेगा। इस हेतु प्रार्थना–पत्र पूर्व में चयनित अभ्यास–केंद्र के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा।

## परिचय पत्र

निर्धारित शुल्क जमा होने के बाद विद्यार्थी को परिचय–पत्र जारी किया जाएगा। परिचय–पत्र में विद्यार्थी का नाम, पाठ्यक्रम का नाम, नामांकन संख्या आदि का उल्लेख किया जाएगा। किसी पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने की न्यूनतम/अधिकतम अवधि के दौरान परिचय पत्र खो जाने पर निर्धारित शुल्क देकर पुनः बनवाना अनिवार्य है। इसके लिए रु.100 का माँगपत्र जमा कराना होगा।

## पाठ्यक्रम सत्र

दूर शिक्षा निदेशालय सत्रीय/वार्षिक प्रणाली (Semester / Annual System) के आधार पर पाठ्यक्रम संचालित करेगा। हर विद्यार्थी को प्रदत्त अधिकतम अवधि के भीतर संबंधित पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करना होगा। इस अवधि में नामांकित वर्ष की भी गणना की जाएगी।

## पाठ्यसामग्री का वितरण

दूर शिक्षा प्रणाली में अध्ययन की व्यवस्था परंपरागत विश्वविद्यालयों से भिन्न है। इसमें शिक्षा 'विद्यार्थी केंद्रित' है और इसकी सफलता विद्यार्थी के सक्रिय सहयोग एवं स्वाध्याय पर निर्भर है। परंपरागत प्रणाली से विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त होती है। दूर शिक्षा प्रणाली में बहुआयामी व्यवस्था के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी विद्यार्थी को दी जाती है। इस हेतु विद्यार्थी को संबंधित अभ्यास/क्षेत्रीय केंद्र/विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, VMOU, कोटा, RTOU, इलाहाबाद द्वारा निर्मित उच्चस्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण **ई-पाठ्यसामग्री अथवा मुद्रित उपलब्ध पाठ्यसामग्री प्रेषित की जाएगी। किसी पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध न होने की स्थिति में संदर्भ ग्रंथों की सूची अथवा संबंधित पाठ्यक्रम का पाठ्यविवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा संबंधित सत्र हेतु उक्त का संदर्भ लेना अनिवार्य होगा।** इस संबंध में विश्वविद्यालय अभ्यर्थी एवं अभ्यास केंद्र की किसी शिकायत की सुनवाई नहीं करेगा।

## प्रायोगिक एवं परियोजना कार्य

प्रयोगात्मक कार्य अथवा परियोजना कार्य की व्यवस्था निर्धारित केंद्रों पर ही की जाएगी। यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित परीक्षा के पूर्व प्रयोगात्मक व परियोजना कार्य पूरा नहीं करता है, तो वह सत्रांत परीक्षा के लिए अर्ह नहीं होगा और अगली परीक्षा के प्रयोगात्मक कार्य के लिए निर्धारित शुल्क रु. 250 प्रति प्रश्नपत्र अलग से पुनः जमा करना होगा।

## सामान्य जानकारी

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने के बाद कागज़ी प्रति (हार्ड कॉपी) एक सप्ताह के भीतर चयनित अध्ययन केंद्र पर उपलब्ध करानी अनिवार्य है।

आवेदन–पत्र भरने से पूर्व विश्वविद्यालय की वेबसाइट या विद्यार्थी मार्गदर्शिका में दिए गए दिशा–निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।

- प्रवेश–आवेदन के साथ संलग्न होने वाले समस्त दस्तावेज़ स्वप्रमाणित हों। अपूर्ण, असत्यापित, अस्पष्ट, पूर्ण शैक्षिक एवं आवश्यक अर्हता न रखने वाले आवेदनों को बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त कर दिया जाएगा।
- क्रेडिट स्थानांतरण के अंतर्गत प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु निर्धारित तिथि तक आवेदन जमा कर सकता है। आवेदन में क्रेडिट स्थानांतरण का उल्लेख तथा उत्तीर्ण किए गए संबंधित पाठ्यक्रम की अंकतालिका तथा विषय संबंधी पाठ्य विवरण संलग्न करना अनिवार्य है।
- संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शासन द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/संस्थान की 10+2+3 शैक्षिक पद्धति ही स्वीकार्य है।
- आवश्यक दस्तावेज़ डाउनलोड करने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance पर लॉग ऑन करें। कोई भी नवीनतम/सामयिक/आधुनिकतम सूचना /दस्तावेज़ डाउनलोड करने से पूर्व संबंधित कड़ी (Link) को एक बार रिफ्रेश (Refresh) अवश्य करें। आवश्यकता पड़ने पर निदेशालय से निःशुल्क दूरभाष 18002331575 पर (सोमवार से शुक्रवार प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक) संपर्क किया जा सकता है।
- विद्यार्थियों/पाठ्यक्रमों/परीक्षाओं/अन्य से संबंधित सूचनाएँ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। अतः सभी विद्यार्थी व अभ्यास केंद्रों के संचालक नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित होने वाली सूचनाओं को भली–भाँति देखें व समझ लें, तदनुसार ही उसका अनुपालन सुनिश्चित करें। किसी भी विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से सूचना देना संभव नहीं है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित होनेवाली नवीनतम सूचनाओं को अंतिम माना जाए।
- **प्रत्येक पाठ्यक्रम में चयनित विद्यार्थी को संबंधित सत्र/वर्ष के सत्रीय/अनिवार्य कार्य जमा करने के बाद ही सत्रांत/वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित किया जाएगा।**

## छात्रवृत्ति सुविधा

दिव्यांग तथा आरक्षित वर्ग के छात्रों को भारत सरकार द्वारा छात्रवृत्ति का प्रावधान है। इस कोटि के विद्यार्थी छात्रवृत्ति हेतु संबंधित राज्य के संबंधित विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार आवेदन करें। पूर्ण एवं विधिवत रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में प्राप्त होने के पश्चात विभाग इस आवेदन पत्र को सत्यापित कर पुनः विद्यार्थी को प्रेषित करेगा, जिसे विद्यार्थी आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित राज्य के संबंधित विभाग में जमा कराएँगे। छात्रवृत्ति सुविधा की अधिक जानकारी राज्य के संबंधित विभाग/अभ्यास केंद्र से प्राप्त की जा सकती है।

## परामर्श कार्यक्रम

अभ्यास केंद्र द्वारा विद्यार्थी के शिक्षा–प्रशिक्षण हेतु समय–समय पर व्यक्तिगत कक्षाएँ/परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे, जिससे कि :

- विद्यार्थियों में आवश्यक दक्षता एवं स्वस्थ प्रतियोगिता के गुण विकसित हों ।

- अभ्यास केंद्र द्वारा निश्चित दिनों के अध्ययन के दौरान विद्यार्थी अपनी शंकाओं एवं समस्या का समाधान खोज सकें।
- पर्यवेक्षक द्वारा जाँचे गए निर्दिष्ट कार्यों, प्रयोगों, परियोजना कार्यों तथा सत्रीय कार्यों को प्राप्त कर सकें एवं अभ्यास केंद्र में उपलब्ध पुस्तकों का अध्ययन कर सकें।
- अभ्यास केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थी की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित हो।

विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे अपनी क्षमता निर्माण हेतु सभी परामर्श कार्यक्रमों में भाग लें। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस पाठ्यक्रम में इस कार्य के लिए निश्चित अवधि तय की गई है।

## परामर्श और परीक्षा केंद्र

यह आवश्यक नहीं है कि जहाँ विद्यार्थी ने परामर्श या प्रायोगिक घटकों का अध्ययन किया है, वहीं प्रायोगिक/सत्रांत परीक्षा का भी आयोजन हो। नियमित परामर्श सत्रों को विद्यार्थी सहायता केंद्रों में संचालित किया जाएगा।

## विद्यार्थी के नाम/उपनाम में सुधार परिवर्तन

विद्यार्थी को प्रवेश पत्र पर अपना सही नाम, जो कि उसके हाईस्कूल के प्रमाण पत्र पर अंकित है, ही लिखना है। यदि विद्यार्थी का नाम/उपनाम उसके हाईस्कूल के प्रमाण पत्र पर अंकित नाम से अलग है तो उसे इसका वैध साक्ष्य भी संलग्न करना होगा। नाम/उपनाम में परिवर्तन हेतु प्रवेश की पुष्टि होते ही विद्यार्थी–पंजीकरण–प्रभाग को भेजने के लिए निम्नलिखित में से कोई एक प्रमाण प्रस्तुत करना होगा –

1. दैनिक समाचार पत्र में नाम परिवर्तन की अधिसूचना की मूल प्रति।
2. नाम के परिवर्तन के संबंध में उचित मूल्य के स्टैंप पेपर पर पहली श्रेणी के मैजिस्ट्रेट के सामने ली गई शपथ का मूल शपथ पत्र।
3. शादी का कार्ड, शादी का प्रमाण पत्र, यदि किसी महिला विद्यार्थी के उपनाम में परिवर्तन है।
4. नाम/उपनाम में परिवर्तन को प्रदर्शित करती हुई राजपत्र में जारी की गई अधिसूचना की मूलप्रति। इस हेतु वित्ताधिकारी, मगांअंहिंवि के पक्ष में तथा वर्धा में देय ₹400/- का माँगपत्र जमा करना होगा। नाम/उपनाम में सुधार या परिवर्तन हेतु प्रार्थना, पाठ्यक्रम के समाप्त होने से पहले ही स्वीकार्य होगी।

## पता परिवर्तन/सुधार*

पता परिवर्तन हेतु संबंधित अभ्यास केंद्र के माध्यम से ही आवेदन स्वीकार्य होगा। यह सामान्यतया 4–6 हफ्तों मे होता है। इसलिए इस अवधि के दौरान विद्यार्थी अपने पत्रों को नए पते पर प्राप्त करने का प्रबंध स्वयं करें।

## अन्य जानकारी

1. चूँकि यह पाठ्यक्रम दूर शिक्षा प्रणाली से संचालित है, इसलिए यह उस नियमित/परंपरागत प्रक्रिया द्वारा संचालित नहीं किया जाएगा, जैसे आप अब तक पढ़ते आए हैं।
2. इस पाठ्यक्रम के लिए आपको स्वयं अध्ययन करना होगा, जिसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्धता के आधार पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ई–सामग्री/मुद्रित अध्ययन सामग्री/संदर्भ ग्रंथों की सूची उपलब्ध कराई जाएगी।
3. कृपया अपनी पाठ्य सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें। इसे विशेष तौर पर स्वयं अध्ययन के लिए तैयार किया गया है। अपनी टिप्पणियाँ तैयार करें एवं उन खंडों को रेखांकित करें, जिसे आप ठीक से समझ नहीं पा रहे हैं। तत्पश्चात अध्ययन सामग्री में दिए गए निर्देशों के अनुसार उन्हें समझने का प्रयास करें।
4. आपके अभ्यास केंद्र द्वारा परामर्श सत्र आयोजित किए जाएँगे, जो आपकी समस्याओं/शंकाओं के समाधान हेतु होंगे।

5. परामर्श कार्यक्रमों में आप अपनी शंकाओं का समाधान कर सकते हैं। निर्देशन के लिए आग्रह कर सकते हैं।
6. आपके अभ्यास केंद्र द्वारा आपके लिए प्रायोगिक परामर्श कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जहाँ आप अपने विषय के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते/सकती हैं।
7. कृपया अभ्यास केंद्र में आपके लिए तैयार किए गए पुस्तकालय एवं अन्य सुविधाओं का प्रयोग उपलब्धता के आधार पर अवश्य करें।
8. आपके प्रायोगिक विषयों का आंतरिक मूल्यांकन आपके अभ्यास केंद्र पर किया जाएगा।
9. अपने अभ्यास केंद्र से ही अपनी परीक्षा तिथियों का विवरण, परिचय पत्र तथा परीक्षा प्रवेश पत्र भी प्राप्त कर सकते हैं।
10. परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरांत आपका प्रमाण पत्र तथा परीक्षा परिणाम आपके अभ्यास केंद्र पर ही भेज दिया जाएगा।
11. परीक्षा तिथियों, परीक्षा परिणामों, प्रवेश पत्र इत्यादि से संबंधित जानकारी आप विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।
12. वार्षिक सत्रीय कार्य/परियोजना कार्य/लघु शोध निबंध की वैधता सत्रीय कार्य के अपलोड होने से एक वर्ष तक होगी। उसके बाद प्राप्त सत्रीय कार्यों के मूल्यांकन के अंकों को अगली परीक्षा में शामिल किया जाएगा।

## सत्रांत परीक्षा

| | | |
|---|---|---|
| प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए | : | 100 अंक (क्षेत्रकार्य/परियोजना कार्य/प्रायोगिक कार्य के अंक पाठ्यक्रम की आवश्यकता अनुसार निर्धारित होंगे।) |
| सत्रांत मूल्यांकन | : | प्रत्येक प्रश्नपत्र के सैद्धांतिक/प्रायोगिक कार्य के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। |
| आंतरिक मूल्यांकन | : | निर्दिष्ट कार्यों के लिए आंतरिक मूल्यांकन में 30 अंक निर्धारित हैं। सभी निर्दिष्ट कार्य प्रत्येक विद्यार्थी को समय से जमा करना अनिवार्य है। |

विद्यार्थी का अंतिम परीक्षा परिणाम उसके सभी सत्रों के अंकों तथा प्रस्तुति इत्यादि को जोड़कर प्रकाशित किया जाएगा।

## पुनर्गणना*

पुनर्गणना का अर्थ सत्रांत उत्तर पुस्तिकाओं में दिए गए अंकों की पुनर्गणना है। इसमें यह भी देखा जाएगा कि उत्तर पुस्तिका का कोई अंश बिना मूल्यांकित हुए छूट तो नहीं गया है। परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर इस हेतु आवेदन करना होगा तथा हर प्रश्न पत्र के लिए वित्ताधिकारी, मगांअंहिंवि, वर्धा के पक्ष में वर्धा देय रु. 200/- का माँगपत्र आवेदन के साथ जमा करना होगा। पुनर्गणना की अवधि सामान्यतः आवेदन करने की अंतिम तिथि से एक माह होगी। अगर पुनर्गणना में कोई परिवर्तन होता है, तो विश्वविद्यालय अधिक अंक को ही मान्यता देगा। नई अंक सूची बिना किसी शुल्क के विद्यार्थी को प्रदान की जाएगी।

## यदि आप शुल्क जमा नहीं करते/करती हैं

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किसी भी प्रकार के शुल्क नियमानुसार समय पर जमा न करने की स्थिति में विद्यार्थी द्वारा किसी विशिष्ट कार्य हेतु किए गए अनुरोध पर कार्यवाही नहीं की जाएगी। अतः विद्यार्थी एवं अभ्यास केंद्र इस पर गंभीरता से ध्यान दें।

## श्रेणी सुधार *

किसी भी पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थी, जो अपने पूर्व के परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के इच्छुक हों, वे अलग से परीक्षा शुल्क जमा करके पुनः आगामी परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। प्रमाण पत्र/डिग्री/डिप्लोमा निर्गत होने के पश्चात श्रेणी–सुधार की अनुमति नहीं दी जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी श्रेणी–शुल्क रु. 500 अतिरिक्त प्रति प्रश्नपत्र रु. 300 जमा कर सकते हैं। यह अवसर मात्र एक बार दिया जाएगा। इस परीक्षा में यदि प्राप्तांकों में कोई परिवर्तन होता है तो विश्वविद्यालय अधिक प्राप्तांकों को ही मान्यता देगा।

## डिप्लोमा/डिग्री की प्रतिलिपि

प्रत्येक प्रमाण पत्र एवं अंकसूची की प्रतिलिपि प्राप्त करने हेतु आवेदन आवश्यक दस्तावेज सहित रु. 500 के माँगपत्र के साथ पूर्व प्रक्रिया की भाँति भेजें।

## नियमों में संशोधन

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की अकादमिक एवं प्रशासनिक गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से आवश्यकता पड़ने पर किसी भी पाठ्यक्रम के शुल्क विवरण, पाठ्य विवरण में संशोधन परिवर्तन, परिवर्धन, अद्यतन, किसी नियम में कुछ शामिल करने अथवा कमी करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है। यह संशोधन वर्तमान में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट विद्यार्थियों के अलावा पूर्व में प्रवेशित छात्रों पर भी लागू होगा।

## पुनः पंजीकरण*

जो विद्यार्थी स्वीकृत अधिकतम अवधि के भीतर अपना पाठ्यक्रम पूरा नहीं कर पाते हैं, वे निम्नलिखित प्रकार से निर्धारित अवधि से आगे पुनः पंजीकरण करा सकते हैं–

- पुनः पंजीकरण के लिए आवेदन निर्धारित तिथि तक अभ्यास केंद्र या मुख्यालय, वर्धा को भेजें। पुनः पंजीकरण के लिए विद्यार्थी को अपूर्ण पाठ्यक्रम का पूर्ण शुल्क जमा करना होगा।
- यह सुविधा वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रमों के लिए मान्य होगी।
- पाठ्य विवरण में परिवर्तन की स्थिति में यह सुविधा नहीं दी जाएगी ।

## क्षेत्राधिकार

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय के समस्त अकादमिक कार्यक्रमों एवं परीक्षा/वित्तीय/प्रशासनिक गतिविधियों से जुड़े विवादों का क्षेत्राधिकार मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ (महाराष्ट्र) होगा।

* प्रारूप के लिए www.hindivishwa.org/distance देखें।

**क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज**
प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र कार्यालय
प्लॉट क्रमांक-06/आई-3
झूँसी योजना संख्या-03, झूँसी
प्रयागराज - 211019 (उ.प्र.)
संपर्क : 0532-2567442
ई-मेल mgahvalld@gmail.com

**क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता**
प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
ऐकतान, ईजेडसीसी, आईए-290, सेक्टर-3,
साल्ट लेक, कोलकाता - 700 091 (प.बं.)
संपर्क : 033-23350144

**विद्यार्थी सेवा केंद्र**
दूर शिक्षा निदेशालय में पंजीकृत की सहायता एवं पाठ्यक्रमों से संबंधित किसी भी सुझाव / शिकायत एवं जानकारी के लिए विद्यार्थी सेवा केंद्र के ई-मेल studentservicecentredde@gmail.com पर लिखा जा सकता है।

**अभ्यास केंद्र सहायता प्रकोष्ठ**
दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रम तथा विद्यार्थियों से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं के निस्तारण हेतु ई-मेल studycentermgahv@gmail.com पर लिखा जा सकता है।

ज्ञान शांति मैत्री


# दूर शिक्षा निदेशालय

## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र)-442 001

टोल फ्री : 1800 233 1575

E-mail : studentservicecentredde@gmail.com

Website : www.hindivishwa.org/distance